कविता - होती हैं देश का आधार बेटियाँ

होती हैं देश का आधार बेटियाँ ,

धरती के कोने-कोने की ललकार बेटियाँ।

काँटों की चुभन से न डरने वालीं,

विजय की पुकार पराक्रम की धार बेटियाँ।

होती हैं देश का आधार बेटियाँ।

ये माँ भारती की शान सजाएँ,

अंधियारे में आशा-दीप जलाएँ,

वतन की श्रृंगार और मान बेटियाँ।

होती हैं देश का आधार बेटियाँ।।

गाँव हो या रणभूमि हो,

समुद्र हो या आँधी हो,

बहती गंगा की पावन धार बेटियाँ।

होती हैं देश का आधार बेटियाँ।

एक थीं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई,

जिन्होंने दुश्मनों को धूल चटाई,

आज भी रण में गरजती तलवार बेटियाँ।।

होती हैं देश का आधार बेटियाँ।

इनकी रक्षा का प्रण निभाएँ,

शिक्षित जग में इन्हें बनाएं,

नवजीवन का अनुपम उपहार बेटियाँ।

होती हैं देश का आधार बेटियाँ।।

- **राजेश कुमार यादव**

पता – ग्राम : करगहिया, पोस्ट : चमरूपुर,

जिला : बलरामपुर (उत्तर प्रदेश)

मोबाइल नंबर – 8090136841

ई-मेल – ry898609@gmail.com